कानोड़िया पी.जी.महिला महाविद्यालय, जयपुर

हिन्दी विभाग

प्रश्नावली हिन्दी साहित्य

स्नातक चतुर्थ समसत्र

बी.ए. – चतुर्थ सेमेस्टर (हिन्दी)

प्रश्नपत्र – कथेतर गद्य विधाएँ

1 क्रेडिट 25 अंक
6 क्रेडिट 150 अंक
प्रश्न पत्र 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन 30 अंक

उद्देश्य (Objective)	1. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य की कथेतर गद्य विधाओं – नाटक, एकांकी, रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्ताज, आत्मकथा आदि से अवगत कराना। 2. नाटक, एकांकी आदि कथेतर विधाओं के स्वरूप एवं उनकी विकास यात्रा से अवगत कराना। 3. नाटक, एकांकी आदि कथेतर विधाओं की प्रतिनिधि रचनाओं एवं रचनाकारों से परिचय कराना। 4. विद्यार्थियों में नाटक, एकांकी एवं अन्य कथेतर विधाओं के अध्ययन द्वारा संवेदनात्मक अनुभूति विकसित करना।
अधिगम प्रतिफल (Learning Outcome)	1. विद्यार्थी नाटक, एकांकी एवं अन्य कथेतर विधाओं के स्वरूप व विकास से परिचित हो सकेंगे। 2. हिन्दी साहित्य की कथेतर विधाओं के अध्ययन द्वारा रचनात्मक कौशल का विकास करेंगे। 3. नाटक, एकांकी एवं अन्य कथेतर विधाओं का व्यावहारिक प्रयोग करना सीखेंगे। 4. हिंदी साहित्य की समृद्ध गद्य परंपरा से अवगत होकर विभिन्न रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे।

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों (अ, ब, स) में विभक्त है।

खण्ड–अ के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरी प्रश्न है, जिसमें संपूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।

खण्ड–ब के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 2,3,4,5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें इकाई 2 में निर्धारित पाठ से 2 गद्यांश (आन्तरिक विकल्प सहित) तथा इकाई 3 एवं इकाई 4 में निर्धारित पाठ से 2 गद्यांश (एक रचना से एक, आन्तरिक विकल्प सहित) व्याख्या हेतु पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

खण्ड–स के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 6,7,8,9 निबन्धात्मक प्रश्न है, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

प्रश्न

1. 'उत्सर्ग' एकांकी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
2. 'उत्सर्ग' एकांकी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।
3. 'उत्सर्ग' एकांकी का संदेश क्या है?
4. एकांकी के तत्त्वों के आधार पर 'उत्सर्ग' की समीक्षा कीजिए।
5. 'उत्सर्ग' के आधार पर रामकुमार वर्मा की एकांकी कला पर निबन्ध लिखिए।

प्रश्न

1. 'सीमा रेखा' एकांकी का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।
2. 'सीमा रेखा' एकांकी की तात्विक विवेचना कीजिए।
3. रंगमंच की दृष्टि से 'सीमा रेखा' एकांकी का मूल्यांकन कीजिए।
4. 'सीमा रेखा' एकांकी के आधार पर विष्णु प्रभाकर की एकांकी कला का विवेचन कीजिए।
5. लक्ष्मी चन्द्र का चरित्र चित्रण कीजिए।

प्रश्न

1. 'सरजू भैया' रचना किस विधा की रचना है? क्यों?
2. 'सरजू भैया' रचना का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
3. 'सरजू भैया' रचना का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।
4. सरजू भैया की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
5. 'सरजू भैया' रचना के आधार पर रामवृक्ष बेनीपुरी की भाषा पर निबंध लिखिए।

प्रश्न

1. 'महाभारत की एक साँझ' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार व्यक्त कीजिए।
2. 'महाभारत की एक साँझ' एकांकी की कलात्मक समीक्षा कीजिए।
3. इस एकांकी में सुयोधन को लेखक ने नये रूप में प्रस्तुत किया है–इस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।
4. रंगमंच की दृष्टि से 'महाभारत की एक साँझ' एकांकी की समीक्षा कीजिए।
5. 'महाभारत की एक साँझ' एकांकी की संवाद योजना का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न

1. 'अपनी खबर' में बेचन शर्मा उग्र ने किस विधा का उपयोग किया है? उन्हें कहाँ एक सफलता मिली है?
2. 'अपनी खबर' रचना का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
3. पैदा होते ही बेचन जैसा नाम उग्र जी को क्यों दिया गया और उन्हें क्यों बेचा गया?
4. 'अपनी खबर' की भाषा लालित्य योजना पर निबंध लिखिए।
5. इस रचना के आधार पर उग्र जी की वात्यावस्था का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

प्रश्न

1. महादेवी वर्मा द्वारा लिखित सुभद्रा कुमारी चौहान शीर्षक रचना किस विधा में आती है? और क्यों?
2. महादेवी वर्मा द्वारा रचित सुभद्रा कुमारी चौहान के जीवन के संघर्ष की कहानी अपने शब्दों में लिखिए।
3. सुभद्रा कुमारी चौहान की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
4. महादेवी वर्मा के गद्य की भाषा पर विचार व्यक्त कीजिए।
5. इस रचना से आपको क्या प्रेरणा मिलती है? इस रचना का संदेश स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न

1. 'अदम्य जीवन' रिपोर्ताज रांगेय राघव ने किस घटना पर लिखा?
2. 'अदम्य जीवन' रचना का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
3. 'अदम्य जीवन' के आधार पर बंगाल के अकाल की भयावता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
4. 'अदम्य जीवन' रिपोर्ताज की रिपोतार्ज विधा के आधार पर समीक्षा कीजिए।
5. रांगेय राघव का रिपोर्ताज विधा के विकास में योगदान को रेखांकित कीजिए।